गृहकार्य

1) आप अपने घर में अतिथियों का सत्कार कैसे करते हो?

मैं अपने घर में आए अतिथियों का सत्कार कुछ इस प्रकार करती हूँ:-

> अगर वे मुझसे बड़े होते हैं, तो मैं पहले उनके चरण स्पर्श करती हूँ फिर उन्हें अंदर बुलाकर उनके सामानों को उठाकर अंदर लाती हूँ। फिर मैं उन्हें सोफ़े पर बिठाती हूँ और उनके पीछे के लिए चाय-पानी और खाने के लिए नाश्ते का प्रबंध करती हूँ।

> अगर वे मुझसे छोटे होते हैं तो मैं उन्हें प्यार से गले लगाकर अंदर लाके बिठाती हूँ। उन्हें भोजन देने के बाद, उनके साथ खूब बातें और मज़े करती हूँ।

Date
Page 30

अतिथि तुम कब जाओगे पाठ में लेखक अतिथि का सत्कार कैसे किया?

पाठ में लेखक बे अतिथि को देखकर एक स्नेह-भीगी मुसकराहट दी एंव उनके गले मिले। उनकी पत्नी ने अतिथि को आदर नमस्ते करी थी। अतिथि के सम्मान में लेखक ने रात के भोजन को एकाएक उच्च-मध्यम वर्ग के डिनर में बदल दिया था। उन्होंने अतिथि के लिए मीठा भी बनाया था। ~~लेखक ने अतिथि को~~ दूसरे दिन लेखक ने अतिथि के लिए दोपहर के भोजन को लंच की गरिमा भी प्रदान की थी और रात्री में उन्हे सिनेमा भी दिखाए थे।